बुधवार
27 मई 2026
● देहरादून
● वर्ष 34
● अंक 123
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

34 साल से देहरादून का विश्वास

दून वैली मेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94 email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

सीएम ने अल्मोड़ा को दी 138 करोड़ की सौगात

❑17 योजनाओं का लोकार्पण तथा 9 योजनाओं का किया शिलान्यास

संवाददाता

अल्मोडा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने 17 योजनाओ का लोकार्पण व 9 योजनाओं का शिलान्यास कर अल्मोडा को 138 करोड की सौगात दी।

आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अल्मोड़ा पहुंचकर करीब 138 करोड़ की योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। अल्मोड़ा के सोबन सिंह जीना विवि के नवीन प्रशासनिक भवन में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने अल्मोड़ा को विभिन्न विकास योजनाओं की सौगात दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन योजनाओं से सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, सिंचाई, नगर विकास एवं ग्रामीण आधारभूत सुविधाओं को नई मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार का स्पष्ट संकल्प है कि विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और पर्वतीय क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हों। इसी उद्देश्य के साथ प्रदेशभर में सड़क संपर्क, स्वास्थ्य सेवाओं, शिक्षा व्यवस्था एवं पेयजल योजनाओं को तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अल्मोड़ा जनपद सांस्कृतिक, ऐतिहासिक एवं पर्यटन की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। यहां की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए निरंतर विकास कार्य किए जा रहे हैं। इन योजनाओं के पूर्ण होने से जनपदवासियों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी तथा क्षेत्र के सामाजिक और आर्थिक विकास को नई गति प्राप्त होगी। मुख्यमंत्री ने अल्मोड़ा की

जनता को इन विकास कार्यों के लिए हार्दिक शुभकामनाएं दी और कहा कि उत्तराखंड सरकार जनसेवा एवं प्रदेश के समग्र विकास के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है। यहां केंद्रीय राज्य मंत्री अजय टम्टा, जिला पंचायत अध्यक्षा हेमा गैडा, विधायक रानीखेत डॉ प्रमोद नैनवाल, कुलपति एसएसजे विवि सतपाल सिंह बिष्ट, जिलाधिकारी अंशुल सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक चंद्रशेखर आर घोड़के सहित जनप्रतिनिधि, विवि प्रशासन के अधिकारी सहित अन्य उपस्थित रहे।

दून अस्पताल कर्मी पर लगाये आरोप से महिला मुकरी

हमारे संवाददाता

देहरादून। दून अस्पताल कर्मी पर लगाये गये बदतमीजी को आरोप को शिकायतकर्ता महिला ने वापस ले लिया है। हांलाकि महिला द्वारा मामले की मौखिक शिकायत की गयी थी लेकिन बाद में उसने अपना बयान बदलते हुए इस मामले को गलतफहमी बताकर कार्यवाही न करने की बात कही है।

❑बयान बदलते हुए शिकायत ली वापस, कहा कि मामला गलत फहमी में हुआ

विदित हो कि बीते रोज एक महिला द्वारा दून अस्पताल में कार्यरत एक व्यक्ति पर बदतमीजी करने जैसे गम्भीर आरोप लगाये गये थे। मामले के प्रकाश में आते ही चिकित्सा विभाग में हड़कंप मच गया। हालांकि चिकित्सा अधिकारियों ने महिला को उक्त व्यक्ति पर कार्यवाही करने की बात कही गयी। वहीं महिला द्वारा इस मामले की मौखिक शिकायत शहर कोतवाली क्षेत्रांर्तगत धारा चौकी में दी गयी। जिसमें कहा गया था कि उक्त व्यक्ति द्वारा उसके साथ बदतमीजी करने की कोशिश की गयी है।

मामले की गम्भीरता को देखते हुए पुलिस द्वारा तत्काल दूसरे पक्ष को भी धारा चौकी लाया गया और मामले की जांच शुरू कर दी गयी। पूछताछ के दौरान सामने आया कि यह पूरा विवाद दोनों पक्षों के बीच हुई आपसी गलतफहमी के कारण उत्पन्न हुआ था। सभी बातें साफ होने के बाद महिला शिकायतकर्ता ने खुद स्वीकार किया कि यह घटना गलतफहमी के कारण हुई थी। उन्होंने चौकी धारा पर लिखित बयान देकर किसी भी प्रकार की कानूनी कार्रवाई न करने की सहमति दे दी।

संपादकीय

भारी पड़ेगा युवाओं का आक्रोश

देश की युवा शक्ति सरकार और सिस्टम से इस कदर नाराज है कि अब उसका आक्रोश सड़कों पर उतर आया है। युवाओं का यह गुस्सा बेवजह नहीं है। दिन-रात मेहनत करने के बाद उन्हें अपना भविष्य अंधकार में दिख रहा है। अभी बीते दिनों नीट की परीक्षा का पेपर लीक हो गया जिसके कारण 50 लाख युवाओं की मेहनत पर पानी फिर गया अब नीट की परीक्षा दोबारा होगी। अभी सीबीएसई के पेपर में धांधली की खबरें आई थी। अपने परीक्षा परिणाम से असंतुष्ट छात्रों ने जब पुर्न मूल्यांकन के लिए अपनी परीक्षा पुस्तिका मांगी तो वार्डन ने उन्हें ऐसी कॉपियां थमा दी जिसमें पहला पन्ना उनके नाम और रोल नंबर का, बाकी अंदर किसी अन्य छात्र की उत्तर पुस्तिकाएं थी कई मामले इस तरह के सामने आने पर अभी हंगामा चल ही रहा था कि एसएससी कांस्टेबल जीडी की परीक्षा जो बीते कल होनी थी उसके परीक्षा केंद्रो पर क्षमता से दो-दो गुने ज्यादा छात्रों को बुला लिए जाने से जो हंगामा हुआ तो युवाओं ने परीक्षा केंद्रो पर भारी तोड़फोड़ की कंप्यूटर से लेकर सीपीयू और फर्नीचर सबको तोड़फोड़ डाला गया तथा हाईवे तक को जाम कर दिया गया इस परीक्षा में 50 लाख से अधिक छात्र-छात्राओं को परीक्षा देनी थी लेकिन यूपी से लेकर बिहार तक भयंकर अव्यवस्थाओं और नकल के चलते इतना हंगामा बरपा कि इस परीक्षा को भी रद्द करना पड़ा। जो बेरोजगार इससे आस लगाए बैठे थे कि उन्हें रोजगार मिलेगा वह यह कहते दिखे कि सरकार और सिस्टम ने सचमुच में हमें कॉकरोच बना दिया है। जो अपने भविष्य की तलाश में सालों साल इधर-उधर भटकते रहते हैं और सरकार तथा उसका सिस्टम इस कदर नकारा निकम्मा या फेल हो चुका है कि वह एक परीक्षा भी ठीक से नहीं करा सकता है ऐसी सरकार और व्यवस्था का क्या फायदा है। पहले जैसे तैसे अपनी पढ़ाई पूरी करो और जब काम के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करो और जब परीक्षा के समय आए तो कभी पेपर लीक तो कभी यह अव्यवस्था और परीक्षा रद्द। और फिर इसी क्रम को क्रमशः दोहराते रहो। अभी जब नीट का पेपर लीक हुआ था तब छात्रों के आत्महत्याओं के कई मामले सामने आए जो लगातार जारी हैं। कई छात्रों के सुसाइड नोट तो दिल दहलाने वाले थे। देश की शिक्षा व्यवस्था और कर्मचारी चयन आयोग में व्याप्त भ्रष्टाचार द्वारा देश के युवाओं के साथ जिस तरह से खिलवाड़ किया जा रहा है वह वास्तव में उनके लिए अब असहनीय हो चुका है। सिस्टम पर सवाल उठाने वालों पर पुलिस की लाठियां चलाई जा रही है ऐसी स्थिति में अब अगर न्यायपालिका उन्हें परजीवी व कॉकरोच जैसी शब्दावली से नवाज रही है तो इन युवा कॉकरोचो की भीड़ का सड़कों पर तांडव स्वाभाविक है। कॉकरोच जनता पार्टी ने अपने लाखों समर्थकों को लेकर शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की है लेकिन सरकार मौन साधे हुए हैं शायद उसे लग रहा है कि शिक्षा मंत्री को हटाया तो कॉकरोचों का हमला और अधिक तेज हो जाएगा। लेकिन सत्ता में बैठे इन नेताओं को इस मुगालते में भी नहीं रहना चाहिए कि वह किसी हिट से इन्हें हिट करेंगे तो वह मर जाएंगे या कहीं छिपने की भी जगह उन्हें नहीं मिलेगी। देश की 50 करोड़ की इस युवा आबादी की बात सत्ता में बैठे लोगों को सुननी चाहिए। रोजगार मेलों का आयोजन कर पीएम व सीएम हजार-दो हजार लोगों को कई सालों इंतजार के बाद नियुक्ति पत्र देकर अपनी नाकामी को नहीं छुपा सकते। कॉकरोचों से पंगा सरकार को बहुत भारी भी पड़ सकता है।

182वां श्री हनुमान चालीसा पाठ कार्यक्रम सम्पन्न

हमारे संवाददाता

देहरादून। नगर निगम के वार्ड-35 क्षेत्र अंतर्गत श्रीदेवसुमन नगर भाग-1 स्थित शिव मंदिर में आयोजित 182वें श्री हनुमान चालीसा पाठ कार्यक्रम के अवसर पर ब्रह्मकमल शक्ति संस्था द्वारा क्षेत्र की सक्रिय मातृशक्ति को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम भक्तिमय वातावरण में सम्पन्न हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं एवं क्षेत्रवासियों ने सहभागिता की।ब्रह्मकमल शक्ति संस्था के अध्यक्ष अभिनव थापर ने कहा कि विगत साढ़े तीन वर्षों से निरंतर प्रत्येक सप्ताह श्री हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन कर मातृशक्ति सनातन संस्कृति, धार्मिक चेतना एवं सामाजिक एकता को मजबूत करने का प्रेरणादायी कार्य कर रही है। इस अवसर पर क्षेत्रीय पार्षद श्रीमती संगीता गुप्ता की विशेष उपस्थिति रही। कार्यक्रम में पूर्व पार्षद सुमित्रा ध्यानी एवं शिव मंदिर, श्रीदेवसुमन नगर भाग-1 कीर्तन मंडली की सदस्यगण मीनाक्षी शर्मा, संगीता वर्मा, सारिका चौधरी, रजनी वर्मा, कविता जैन, रेखा शर्मा, संतोष, रेखा गुप्ता, आशारानी, पल्लवी, निधि, मंजू देवी, किरन बाला सहित समस्त मातृशक्ति एवं श्रद्धालुओं की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम के अंत में सभी श्रद्धालुओं, मंदिर समिति एवं क्षेत्रवासियों का सहयोग एवं आत्मीय स्वागत के लिए आभार व्यक्त किया गया।

उत्तराखंड में विस चुनाव 2027 के संभावित मुद्दे (भाग-19)

इस बार फिर से क्षेत्रीय अस्मिता को नए सिरे से राजनीतिक ताकत बनाएगी प्रदेश की जनता

'उत्तराखंडियत' से बढ़ी राष्ट्रीय दलों की 'बेचैनी'

- दिल्ली बनाम देहरादून की राजनीति में फंसा पहाड़
- भू-कानून, मूल निवास और पलायन पर होगा वार
- राष्ट्रीय दलों को चुनौती देने को क्षेत्रीय चेहरे तैयार

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। देवभूमि उत्तराखंड में विधानसभा चुनाव 2027 जैसे-जैसे करीब आ रहे हैं, वैसे-वैसे राजनीतिक बहस का केंद्र बदलता दिख रहा है। इस बार मुकाबला सिर्फ भाजपा और कांग्रेस के बीच सत्ता परिवर्तन का नहीं रहेगा, बल्कि उत्तराखंडियत बनाम राष्ट्रीय राजनीति की विचारधारा का भी बनता जा रहा है। राज्य आंदोलन की भावनाओं, पहाड़ी पहचान, मूल निवास, भू-कानून, पलायन और स्थानीय संसाधनों पर अधिकार जैसे मुद्दे अब फिर राजनीतिक मंचों पर लौटने लगे हैं।

उत्तराखंड बनने के पीछे सबसे बड़ी भावना थी अलग पहाड़ी पहचान और स्थानीय विकास। लेकिन राज्य गठन के 25 साल बाद भी पहाड़ों में खाली होते गांव, बेरोजगारी, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं का संकट लोगों के मन में सवाल खड़े कर रहा है। ऐसे में क्षेत्रीय अस्मिता का मुद्दा फिर से मजबूत होता दिख रहा है।

भाजपा 2027 में भी राष्ट्रीय नेतृत्व,हिंदुत्व,राष्ट्रवाद और डबल इंजन सरकार के विकास मॉडल पर चुनाव लड़ने की तैयारी में है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में पार्टी संगठन अभी से चुनावी तैयारी में जुट गया है। प्रत्याशियों के चयन से लेकर बूथ स्तर तक रणनीति बनाई जा रही है। भाजपा का फोकस चारधाम परियोजना, सड़क, रेल और निवेश जैसे बड़े विकास कार्यों को चुनावी नैरेटिव बनाने पर रहेगा। पार्टी राष्ट्रीय नेतृत्व के चेहरे और केंद्र की योजनाओं के सहारे चुनावी बढ़त बनाए रखना चाहती है। राज्य आंदोलन से निकला उत्तराखंड क्रांति दल भी 2027 में सभी 70 सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहा है। पार्टी एक बार फिर मूल मुद्दों भू-कानून, स्थायी निवास, जल-जंगल-जमीन और पहाड़ी पहचान को केंद्र में ला रही है।

हालांकि राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि भावनात्मक मुद्दों के बावजूद क्षेत्रीय दलों के सामने सबसे बड़ी चुनौती मजबूत संगठन और भरोसेमंद नेतृत्व की है। सोशल मीडिया और युवाओं में समर्थन दिखने के बावजूद जमीनी नेटवर्क अभी कमजोर माना जा रहा है। अंकिता भंडारी हत्याकांड, भर्ती घोटाले, पलायन और बेरोजगारी जैसे मुद्दों ने युवाओं के भीतर व्यवस्था के प्रति नाराजगी पैदा की है। पहाड़ के गांवों में यह भावना भी बढ़ रही है कि राष्ट्रीय दल चुनाव के समय तो पहाड़ की बात करते हैं, लेकिन बाद में प्राथमिकता मैदानी राजनीति को मिलती है।यही कारण है कि हमारा उत्तराखंड कैसा हो? का सवाल अब राजनीतिक बहस का हिस्सा बन रहा है। सोशल मीडिया पर भी मूल निवास,सख्त भू-कानून और पहाड़ी अधिकार जैसे मुद्दे तेजी से ट्रेंड कर रहे हैं।

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि 2027 का चुनाव सिर्फ सत्ता परिवर्तन का नहीं होगा, बल्कि यह तय करेगा कि उत्तराखंड की राजनीति राष्ट्रीय मुद्दों के इर्द-गिर्द घूमेगी या फिर राज्य अपनी क्षेत्रीय अस्मिता को नए सिरे से राजनीतिक ताकत बनाएगा। यदि क्षेत्रीय भावनाएं मजबूत हुईं तो राष्ट्रीय दलों को भी स्थानीय मुद्दों पर ज्यादा स्पष्ट रुख अपनाना पड़ सकता है। वहीं अगर राष्ट्रवाद और विकास का नैरेटिव हावी रहा तो भाजपा को लगातार तीसरी बार सत्ता में लौटने का फायदा मिल सकता है।

भाजपा और कांग्रेस के राष्ट्रीय नेताओं के दौरे से होने वाला है चुनावी रण का आगाज

'राष्ट्रीय चेहरों' की पहाड़ में 'एंट्री'

- भाजपा अध्यक्ष नितिन व कांग्रेस नेता राहुल के दौरों से बढ़ी तपिश
- देवभूमि में गरमाई सियासत, बड़े नेताओं के दौरों से बढ़ी हलचल
- दिल्ली से दून तक सियासी हलचल तेज,स्थानीय मुद्दों पर फोकस

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड की राजनीति में एक बार फिर हलचल तेज हो गई है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के प्रस्तावित उत्तराखंड दौरों ने साफ संकेत दे दिए हैं कि 2027 विधानसभा चुनाव की राजनीतिक बिसात अब तेजी से बिछने लगी है। दोनों राष्ट्रीय दल अब पहाड़ की राजनीति को केवल संगठनात्मक गतिविधि नहीं, बल्कि भविष्य की सत्ता की लड़ाई के रूप में देखने लगे हैं। देहरादून से लेकर कुमाऊं और गढ़वाल तक राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि इन दौरों का उद्देश्य सिर्फ कार्यकर्ताओं में जोश भरना नहीं, बल्कि जनता के मूड को समझना और चुनावी नैरेटिव तय करना भी है।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष का दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब पार्टी उत्तराखंड में लगातार तीसरी बार सत्ता में वापसी की रणनीति बना रही है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में भाजपा डबल इंजन विकास, समान नागरिक संहिता, चारधाम परियोजना और निवेश को बड़े चुनावी मुद्दे के रूप में पेश कर रही है। पार्टी सूत्रों के अनुसार राष्ट्रीय अध्यक्ष का फोकस बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने, कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने और गुटबाजी को नियंत्रित करने पर रहेगा। भाजपा यह संदेश देना चाहती है कि उत्तराखंड में संगठन पूरी तरह चुनावी मोड में आ चुका है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि भाजपा 2027 में राष्ट्रीय नेतृत्व और हिंदुत्व के मुद्दों के साथ-साथ विकास परियोजनाओं को भी प्रमुख हथियार बनाएगी।

दूसरी ओर कांग्रेस नेता राहुल गांधी का उत्तराखंड दौरा पार्टी कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा भरने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। कांग्रेस इस बार बेरोजगारी, भर्ती घोटाले, पलायन, महंगाई और पहाड़ की बदहाल स्वास्थ्य-शिक्षा व्यवस्था को लेकर भाजपा सरकार को घेरने की तैयारी में है। राहुल गांधी पहले भी अपनी भारत जोड़ो यात्रा के दौरान रोजगार, सामाजिक न्याय और संविधान बचाने जैसे मुद्दों को राष्ट्रीय विमर्श का हिस्सा बना चुके हैं। उत्तराखंड में उनका फोकस युवाओं, महिलाओं और पहाड़ी क्षेत्रों की समस्याओं पर रहने की संभावना है। कांग्रेस यह संदेश देने की कोशिश करेगी कि भाजपा सरकार इवेंट और प्रचार में ज्यादा व्यस्त है, जबकि गांवों में पलायन और बेरोजगारी लगातार बढ़ रही है।

राजनीतिक जानकारों का कहना है कि दोनों बड़े नेताओं के दौरे यह दिखाते हैं कि उत्तराखंड अब राष्ट्रीय राजनीति में भी महत्वपूर्ण चुनावी राज्य बन चुका है। राज्य छोटा जरूर है, लेकिन यहां की राजनीतिक दिशा राष्ट्रीय संदेश देने का काम करती है। पिछले कुछ वर्षों में अंकिता भंडारी हत्याकांड, भर्ती परीक्षाओं में धांधली, सड़क और स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति जैसे मुद्दों ने सरकार के सामने चुनौती खड़ी की है। वहीं भाजपा अब भी मजबूत संगठन और केंद्र सरकार की योजनाओं के दम पर बढ़त बनाए हुए है।

विश्लेषकों का मानना है कि आने वाला चुनाव सिर्फ सीटों का नहीं,बल्कि नैरेटिव की लड़ाई होगा। भाजपा राष्ट्रवाद, विकास और मजबूत नेतृत्व की बात करेगी, जबकि कांग्रेस जनता के स्थानीय मुद्दों और असंतोष को चुनावी हथियार बनाएगी। दोनों नेताओं के दौरे इस बात का संकेत हैं कि आने वाले महीनों में उत्तराखंड की राजनीति और अधिक आक्रामक होने वाली है। पहाड़ में अब चुनावी माहौल धीरे-धीरे गर्माने लगा है।

उत्तराखंड सरकार लगातार अपनी पुलिस को मित्र पुलिस कहकर प्रचारित करती रही है, लेकिन धरातल पर हेम भट्ट जैसी घटनाएं इस दावों की पोल खोलती हैं। जनता और सरकार के बीच सेतु का काम करने वाले पत्रकारों का इस तरह उत्पीड़न यह साफ दर्शाता है कि तंत्र अब अपनी कमियों को छिपाने के लिए तानाशाही पर उतारू है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को इस मामले में हस्तक्षेप करना चाहिए, क्योंकि सरकार की इस चुप्पी को पत्रकारों के दमन को मूक सहमति माना जा रहा है।

ढोल नगाड़ों के साथ निकाला जुलूस, अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे

चमोली(आरएनएस)। जीआईसी चौनघाट में विज्ञान विषय शुरू करवाने की मांग के लिए तीन गांव के ग्रामीणों ने ढोल दमाऊं के साथ नंदानगर में जुलूस निकाला। उन्होंने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया। उन्होंने कहा कि विद्यालय में विज्ञान विषय की पढ़ाई के लिए कई छात्रों को 10 से 15 किमी दूर अन्यत्र जाना पड़ता है जबकि कई छात्र विज्ञान की पढ़ाई से वंचित रह जाते हैं। विकासखंड नंदानगर के दूरस्थ क्षेत्र रामणी, घूनी और पडेरगांव के ग्रामीण राजकीय इंटर कॉलेज चौनघाट (घूनी) में लंबे समय से विज्ञान वर्ग शुरू करवाने की मांग कर रहे हैं। विद्यालय में वर्तमान में 335 छात्र-छात्राएं अध्ययनरत हैं लेकिन जो छात्र-छात्राएं विज्ञान की पढ़ाई करना चाहते हैं उन्हें दूसरे विद्यालय में जाना पड़ता है। इसके लिए उन्हें 10 से 15 किमी दूर स्थित अन्य विद्यालयों में जाना पड़ता है। ऐसे में अधिकांश छात्र-छात्राएं विज्ञान की पढ़ाई से वंचित रह जाते हैं। इससे गुस्साए तीनों गांवों के ग्रामीण सोमवार को बड़ी संख्या में नंदानगर पहुंचे। सुतोल मोटर मार्ग पर एकत्रित होकर ग्रामीणों ने ढोल दमाऊं के साथ जुलूस निकाला। ग्रामीण खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय पहुंचे लेकिन वहां कोई अधिकारी नहीं मिले तो वे कुरुड़ पुल से लक्ष्मी मार्केट होते हुए तहसील पहुंचे। ग्रामीणों ने यहां अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया और तहसीलदार आरके देवली के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा।

पौड़ी रेंज नागदेव में बांज के सघन वन क्षेत्रों तक पहुंची आग

पौड़ी(आरएनएस)। गढ़वाल वन प्रभाग के अंतर्गत विभिन्न जंगलों में लगी आग अब जिला मुख्यालय के सघन आरक्षित वन क्षेत्र तक भी पहुंच गई है। जंगलों में बढ़ती आग की घटनाओं के मामले में गढ़वाल और सिविल सोयम वन प्रभाग पौड़ी सबसे संवेदनशील बने हुए हैं। वहीं सिविल वन क्षेत्र के जंगलों में आग लगाने के मामले में अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। सोमवार को पौड़ी रेंज नागदेव से सटे आरक्षित वन क्षेत्र सुबह से ही धधकना शुरू हो गया। बताया जा रहा है पौड़ी-कोटद्वार रोड पर गल्ला गोदाम मोहल्ले के समीप आग बीते रविवार रात से लगी जिसके चलते सुबह से ही पूरे क्षेत्र में धुएं की धुंध छाई रही। वनाग्नि को बुझाने के लिए वन कर्मी भी जूझते नजर आए। वन विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक जिले में अभी तक 53 वनाग्नि की घटनाएं दर्ज की जा चुकी हैं जिसमें 82.2 हेक्टेयर में जंगल जले। सर्वाधिक 28 वनाग्नि की घटनाएं गढ़वाल वन प्रभाग और 23 घटनाएं सिविल सोयम वन प्रभाग पौड़ी में दर्ज हुईं जिससे करीब 81 हेक्टेयर में जंगल जले। वहीं लैंसडौन वन प्रभाग कोटद्वार में महज दो जबकि भूमि संरक्षण वन प्रभाग लैंसडौन और अतिरिक्त भूमि संरक्षण वन प्रभाग रामनगर में आग की कोई घटना दर्ज नहीं हुई। डीएफओ सिविल सोयम पंकज नेगी ने बताया कि जंगल में आग लगाने पर केवर्स पैडुलस्यूं में अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है।

20 लाख की लागत से बनेंगे प्रवेश और स्वागत द्वार

चमोली(आरएनएस)। नगर पंचायत की सीमा पर करीब बीस लाख रुपये की लागत से दो प्रवेश और स्वागत द्वार पंचायत प्रशासन तैयार कर रहा है। जून माह के अंत तक यह बनकर तैयार हो जाएगा।गैरसैंण जहां प्रदेश की ग्रीष्मकालीन राजधानी है वहीं राज्य आंदोलन की भावनाओं में बसे गैरसैंण में प्रदेश के लोगों का भी खास लगाव है। ऐसे में गैरसैंण नगर में पर्यटकों को आकर्षित करने की पहल पंचायत कर रही है। नगर पंचायत अध्यक्ष मोहन भंडारी ने बताया कि जून माह के अंत में दोनों द्वार का लोकार्पण किया जाएगा। ये द्वार आगंतुकों का स्वागत करेंगे और नगर की स्वच्छता में सहयोग का संदेश भी देंगे। पहला द्वार कुनेली लगा सलियाणा में सात मीटर ऊंचा और दस मीटर चौड़ा होगा। दूसरा सैंजी में ब्यास गाड़ के पास नौ मीटर चौड़ा व सात मीटर ऊंचा बनाया जा रहा है। कांग्रेस के ब्लॉक अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह बिष्ट और नगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष कुंवर सिंह रावत ने इन कार्यों की सराहना की।

कोई भी पात्र मतदाता न छूटे : संयुक्त मजिस्ट्रेट

पौड़ी(आरएनएस)। निर्वाचन नामावली के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत प्रेक्षागृह में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में विधानसभा क्षेत्र के अतिरिक्त निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, बीएलओ, सुपरवाइजर, बीएलए व आईटी वॉलेंटियरों ने प्रतिभाग किया। संयुक्त मजिस्ट्रेट दीक्षिता जोशी ने कहा कि पुनरीक्षण कार्य पूरी पारदर्शिता, गंभीरता और जिम्मेदारी के साथ किया जाए। उन्होंने कहा कि अभियान का उद्देश्य प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में शामिल करना है। प्रशिक्षण प्रभारी दीपक रावत ने बताया कि विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान आठ जून से शुरू किया जाएगा। उन्होंने बताया कि नए मतदाताओं के पंजीकरण के लिए फॉर्म-6, नाम विलोपन के लिए फॉर्म-7 व संशोधन के लिए फॉर्म-8 वितरित किए जाएंगे। सत्यापन के दौरान यदि किसी घर में मतदाता उपलब्ध नहीं मिलते हैं तो संबंधित मकान पर पुन: भ्रमण की तिथि अंकित सूचना चस्पा की जाएगी। बीएलओ द्वारा भरे गए प्रपत्रों को दोबारा घर-घर जाकर एकत्र किया जाएगा। एक प्रति संबंधित मतदाता के पास रहेगी, जबकि दूसरी प्रति निर्वाचन कार्यालय में जमा की जाएगी।

पहाडी थाली का 'देसी सुपरफूड'

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड के पहाड़ों में कंडाली का नाम सुनते ही कई लोगों को बचपन की चुभन याद आ जाती है। जंगलों और खेतों के किनारे उगने वाली यह पौधा छूते ही शरीर में जलन पैदा कर देता है, लेकिन यही कंडाली जब पहाड़ी रसोई में पकती है तो स्वाद और सेहत का अनमोल खजाना बन जाती है। पहाड़ की पारंपरिक थाली में कंडाली का साग केवल भोजन नहीं, बल्कि लोक संस्कृति और पहाड़ी जीवनशैली की पहचान माना जाता है।

उत्तराखंड के पहाड़ों में एक बड़ी प्रसि(कहावत है जो कंडाली से डरा, उसने पहाड़ का स्वाद नहीं चखा। कुमाऊं और गढ़वाल में कंडाली हर पहाड़ी रास्ते, खेत की मेड़ और गधेरों के पास बहुतायत में उगती है। इसकी पत्तियों और डंठल पर छोटे-छोटे सुई जैसे कांटे होते हैं, जिनमें फार्मिक एसिड होता है। अगर यह शरीर से छू जाए तो तेज झनझनाहट और खुजली होती है। लेकिन पहाड़ी महिलाओं के पास इस कांटेदार चुनौती को एक बेहतरीन पकवान में बदलने का हुनर पीढ़ियों से चला आ रहा है। गढ़वाल और कुमाऊं के गांवों में आज भी कंडाली का साग बड़े चाव से बनाया जाता है। पुराने समय में जब बाजार और आधुनिक सब्जियां गांवों तक नहीं पहुंचती थीं, तब लोग जंगलों और खेतों से मिलने वाली प्राकृतिक वनस्पतियों पर निर्भर रहते थे। कंडाली का साग उन्हीं पारंपरिक व्यंजनों में से एक है, जिसने पीढ़ियों तक पहाड़ के लोगों को पोषण दिया। कंडाली को तोड़ना भी किसी कला से कम नहीं माना जाता। इसे तोड़ते समय हाथों में जलन और चुभन होती है, इसलिए लोग विशेष सावधानी बरतते हैं। गांव की महिलाएं और बुजुर्ग इसे दस्ताने या लकड़ी की मदद से इकट्ठा करते हैं। इसके बाद इसे अच्छी तरह उबालकर और मसालों के साथ पकाकर स्वादिष्ट साग तैयार किया जाता है। सबसे आखिरी और मुख्य कदम है तड़का। सरसों के तेल में जखिया और सूखी लाल मिर्च का छौंक लगाया जाता है। जखिया का कड़कड़ाना कंडाली के साग को उसका असली पहाड़ी मिजाज देता है। कई जगह इसे मंडुवे की रोटी या भात के साथ परोसा जाता है।

●चुभन में छिपा स्वाद और पहाड़ की शान है साग
●जंगल से रसोई तक, कंडाली की अनोखी कहानी
●पर्यटकों को भाता है 'कंडाली के साग' का स्वाद

आयुर्वेद में भी कंडाली को बेहद गुणकारी माना गया है। स्थानीय लोगों का मानना है कि यह शरीर को गर्माहट देने के साथ-साथ कई बीमारियों में लाभ पहुंचाती है। पहाड़ के बुजुर्ग आज भी इसे प्राकृतिक औषधि के रूप में देखते हैं। बदलते दौर में अब शहरों के लोग और पर्यटक भी कंडाली के साग की ओर आकर्षित हो रहे हैं। कई होटल और होमस्टे इसे पारंपरिक पहाड़ी व्यंजन के रूप में अपने मेन्यू में शामिल कर रहे हैं। आज जब दुनिया आर्गेनिक और सुपरफूड के पीछे भाग रही है। उत्तराखंड के गांवों में सदियों से मौजूद यह कंडाली अब बड़े शहरों के फाइव-स्टार होटलों के मेन्यू में नेटल सूप और सिप के नाम से जगह बना रही है। लेकिन जो स्वाद पहाड़ की ठंडी हवाओं के बीच लोहे की कड़ाही से सीधे थाली में आए कंडाली के साग में है उसकी तुलना दुनिया के किसी शेफ के व्यंजन से नहीं की जा सकती।

एसएसपी श्वेता चौबे की पहल पर टिहरी पुलिस का साइबर जागरूकता अभियान जारी

संवाददाता

टिहरी। पुलिस क्षेत्राधिकारी चंबा के निर्देशन में थाना छाम पुलिस द्वारा राजकीय इंटर कॉलेज कमान में व्यापक साइबर जागरूकता अभियान आयोजित किया गया।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्वेता चौबे की पहल के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक एवं पुलिस क्षेत्राधिकारी चंबा के निर्देशन में थाना छाम पुलिस द्वारा राजकीय इंटर कॉलेज कमान में व्यापक साइबर जागरूकता अभियान आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य आमजन, विद्यार्थियों एवं अभिभावकों को बढ़ते साइबर अपराधों के प्रति जागरूक करना तथा ऑनलाइन ठगी से बचाव के उपायों की जानकारी देना था। कार्यक्रम में लगभग 100 से अधिक लोगों ने प्रतिभाग किया, जिनमें विद्यालय के प्रधानाचार्य, कमान क्षेत्र के जिला पंचायत सदस्य, व्यापार मंडल अध्यक्ष, शिक्षकगण, विद्यार्थियों के अभिभावक एवं स्थानीय आमजन उपस्थित रहे। थानाध्यक्ष दिलबर सिंह नेगी द्वारा उपस्थित लोगों को साइबर अपराधों की विभिन्न बारीकियों के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। इस दौरान ऑनलाइन फ्रॉड, ओटीपी शेयरिंग, फर्जी लिंक, सोशल मीडिया हैकिंग, डिजिटल अरेस्ट, सेक्सटॉर्शन, यूपीआई धोखाधड़ी, बैंकिंग फ्रॉड, फेक कस्टमर केयर नंबर, साइबर बुलिंग एवं मोबाइल सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विशेष चर्चा की गई। इसके अतिरिक्त लोगों को बताया गया कि किसी भी प्रकार की साइबर ठगी होने पर तत्काल राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें तथा राष्ट्रीय साइबर क्राइम पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराएं, जिससे समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके। जागरूकता कार्यक्रम को अधिक प्रभावी एवं रोचक बनाने हेतु अंत में प्रतिभागियों को साइबर सुरक्षा से संबंधित 20 प्रश्नों का प्रश्नपत्र भी दिया गया। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस पहल से विद्यार्थियों एवं आमजन में साइबर सुरक्षा के प्रति विशेष उत्साह एवं जागरूकता देखने को मिली। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों एवं अभिभावकों द्वारा पुलिस विभाग की इस पहल की सराहना की गई तथा भविष्य में भी ऐसे जन-जागरूकता कार्यक्रम लगातार आयोजित किए जाने की आवश्यकता पर बल दिया गया। टिहरी पुलिस द्वारा आमजन से अपील की गई कि किसी भी अनजान कॉल, लिंक अथवा लालच भरे संदेश पर विश्वास न करें तथा अपनी बैंकिंग एवं व्यक्तिगत जानकारी किसी के साथ साझा न करें। जागरूक नागरिक ही साइबर अपराधों के विरुद्ध सबसे बड़ी सुरक्षा हैं।

बोतल से दूध पीना नहीं छोड़ रहा बच्चा तो ये तरीके करेंगे आपकी मदद

कहते हैं कि 6 महीने का होने तक शिशु को मां का दूध पिलाना अनिवार्य होता है। 6 महीने तक बच्चे को मां का ही दूध दिया जाता है। कई मांएं ऑफिस जाने या किसी अन्य वजह से बच्चों को बोतल से दूध पिलाना शुरू कर देती हैं। कई बच्चे बोतल से दूध पीना शुरू करने के बाद उसे छोड़ते ही नहीं हैं। बच्चों को बोतल से दूध पीने की आदत को छुड़वाना बहुत मुश्किल होता है। ये मांओं के लिए एक चुनौती होती है जिसे पूरा करना मुश्किल के साथ-साथ जरूरी भी होता है। अगर आपका बच्चा भी बोतल से दूध पीता है तो आपको जान लेना चाहिए कि किस उम्र से बच्चे को बोतल का दूध देना बंद कर देना चाहिए और बोतल का दूध कैसे छुड़वाया जा सकता है।

बोतल से दूध पीना कब बंद कर देना चाहिए

आप बच्चे को जितने लंबे समय तक बोतल से दूध पिलाएंगी, बाद में इस आदत को छोड़ना बच्चे के लिए उतना ही मुश्किल होता जाएगा। इसलिए बेहतर होगा कि आप कम समय के लिए ही बच्चे को बोतल से दूध पिलाएं। अमेरिकन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स के अनुसार, 12 महीने के बाद बच्चे को बोतल से दूध पिलाना शुरू कर सकते हैं। वहीं, 18 महीने का होने पर बोतल से दूध पीना बंद करवा देना चाहिए। इस आदत को जितनी जल्दी छुड़वा दिया जाए, मां और बच्चे के लिए उतना ही अच्छा होता है।

बोतल से दूध पीने की आदत कैसे छुड़ाएं

एक साल का होने के बाद शिशु अपने आप कप पकड़ने लग जाता है। इस समय आप उसे बोतल की जगह कप से दूध पीने की आदत आसानी से डाल सकती हैं। जब भी आपको लगे कि आपका बच्चा अब खुद अपने आप बोतल या कप पकड़ सकता है, तब उसकी बोतल छुड़वाकर कप से दूध देना शुरू कर दें। अगर आप सोच रही हैं तो बच्चे की इस आदत को आप एक दिन में ही छुड़वा सकती हैं तो आप गलत हैं। आपको इस प्रक्रिया को धीरे-धीरे आगे बढ़ाना है। शुरुआत में एक बार बोतल से और एक बार कप से दूध पिलाएं और फिर धीरे-धीरे बोतल से दूध पिलाना कम करते जाएं। बोतल से दूध पीने की आदत छुड़वाने की एक बहुत पुरानी ट्रिक है जो आज भी काम करती है। आप अपने बच्चे को बोतल में जब भी दूध दें तो उसे पतला रखें और कप में गाढ़ा और दूध को टेस्टी बनाकर दें। इससे धीरे-धीरे बच्चे को समझ आने लगेगा कप का दूध ज्यादा टेस्टी है और वो बोतल की जगह कप से दूध पीना शुरू कर देगा। बच्चों को कप से दूध पिलाने के लिए आपको एक सुंदर या कार्टून वाला कप चुनना चाहिए। ऐसी चीजें बच्चों को बहुत आकर्षित लगती हैं।

जरुरत से ज्यादा शरारती तो नहीं है आपका बच्चा

आमतौर पर बच्चे शरारती तो होते ही हैं। हमारे बच्चे की यही शरारत कहीं उसकी पर्सनैलिटी पर तो हावी नहीं हो रही है। जरुरत से ज्यादा शरारती बच्चे एक मानसिक समस्या का शिकार होते हैं, जिसे मेडिकल की भाषा में अटेंशन डिफिशिऐंट हाइपरऐक्टिव डिसऑर्डर कहा जाता है। आपके मन में यह सवाल जरूर उठ रहा होगा कि आखिर किसी बच्चे के लिए उसकी शरारतें किस तरह उसके मानसिक विकास में बाधा डाल सकती हैं? ऐसा इसलिए होता है क्योंकि एकाग्रता की कमी के चलते बच्चा किसी एक काम पर अपना ध्यान नहीं लगा पाता है और इस कारण अपनी योग्यता का सही उपयोग नहीं कर पाता है। यदि बचपन में ही बच्चे की इस समस्या पर ध्यान ना दिया जाए तो यह दिक्कत उसे टीनऐज तक परेशान कर सकती है। जबकि कुछ बच्चों में यह दिक्कत 25 साल की उम्र तक भी बनी रह सकती है। यानी जिस उम्र में बच्चा अपने करियर पर फोकस करता, उस उम्र में ।

अटेंशन डिफिशिऐंट हाइपरऐक्टिव डिसऑर्डर के कारण बच्चा किसी भी एक काम पर एक बार में ध्यान ही नहीं दे पाता है। अटेंशन डिफिशिऐंट हाइपरऐक्टिव डिसऑर्डर (एडीएचडी) बच्चे की नई चीजें सीखने की क्षमता को बाधित करता है। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि बच्चा जब किसी एक काम को कर रहा होता है तो वो उस पर कुछ मिनट के लिए ही ध्यान लगा पाता है और फिर उसका मन किसी दूसरे काम को करने के लिए होने लगता है। जैसे ही बच्चा उस काम को करना शुरू करता है, उसका ध्यान किसी तीसरे काम की तरफ चला जाता है... हम सोचते हैं कि बच्चा शैतानियां कर रहा है लेकिन हकीकत तो यह है कि वह मानसिक रूप से बेचौन हो रहा होता है। जिन बच्चों में एडीएचडी की दिक्कत होती है उनमें और जो बच्चे शरारती होते हैं उनमें, बहुत मामूली सा फर्क होता है। लेकिन इस फर्क को पहचानना बहुत जरूरी होता है। क्योंकि अगर हम यहां चूक गए को हमारी इस भूल का खामियाजा बच्चे को भुगतना पड़ेगा। आमतौर पर बच्चे में 3 से 4 साल की उम्र में इस बीमारी के लक्षण नजर आने लगते हैं। खास बात यह है कि ये लक्षण ज्यादातर बच्चों में 12 से 13 साल की उम्र तक बने रहते हैं। जबकि कुछ मामलों में ये 25 साल की उम्र तक व्यक्ति के साथ रहते हैं।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

पेट में राइट साइड दर्द होने के कई कारण हो सकते हैं

क्या आपने कभी पेट की दाहिनी तरफ दर्द महसूस किया है? पेट में दर्द होना वैसे तो आम बात है लेकिन हर दर्द का मतलब आपको पता होनी चाहिए। पेट की दाहिनी तरफ अगर दर्द होता है तो यह आपको परेशान कर सकता है। क्योंकि पेट की दाहिने तरफ कई ऑर्गन होते हैं। और इस तरफ दर्द होने के कई कारण हो सकते हैं।

यह अपेंडिसाइटिस हो सकता है

अपेंडिसाइटिस दाहिनी ओर पेट दर्द के सबसे आम कारणों में से एक है। इसमें दर्द होता है जो नाभि के आसपास शुरू होता है और फिर निचले दाहिनी ओर बढ़ जाता है। इस केस में दर्द 24 घंटों की अवधि में तेजी से बढ़ता और तेज होता है। इसमें तुरंत चिकित्सा हस्तक्षेप की आवश्यकता होती है। अगर इलाज न किया जाए तो यह आपके अपेंडिक्स फट भी सकता है।

पेट में पथरी के कारण

क्या आपने कभी पेट के दाहिनी ओर दर्द महसूस किया है? पेट में दर्द अक्सर होने वाली शिकायत है, और जब यह दाहिनी ओर होता है तो यह परेशान करने वाला हो सकता है। पेट के दाहिने हिस्से में कई अंग होते हैं, और इस स्थान पर दर्द कई प्रकार की अंतर्निहित समस्याओं का संकेत दे सकता है।

गॉलब्लाडर की समस्या

गॉलब्लॉडर की समस्याएं हो सकती है। जैले पथरी सूजन।ऊपरी और दाहिने पेट में दर्द का कारण बन सकती है। यह दर्द अक्सर खाना खाने के बाद होता है। इसके साथ उल्टी और मतली की समस्या भी हो सकती है। गॉलब्लाडर में पथरी भी पेट दर्द कारण बन सकता है।

लिवर से संबंधित दिक्कतें

लिवर से संबंधित परेशानी , जैसे हेपेटाइटिस या लिवर फोड़ा, पेट के ऊपरी दाहिने हिस्से में असुविधा या दर्द पैदा करने का कारण हो सकता है। इसके अलावा, लक्षणों में पीलिया (त्वचा और आंखों का पीला पडऩा), थकान और टॉयलेट का रंग गहरा होना। लिवर की स्थिति गंभीरता में भिन्न होती है। कुछ हल्के हो सकते हैं और लाइफस्टाइल में कंट्रोल रखने और दवा से इसे कंट्रोल किया जा सकता है।

गुर्दे की पथरी

गुर्दे की पथरी से गंभीर दर्द हो सकता है जो पीठ से निचले दाहिने पेट तक फैलता है। दर्द लहरों में आ सकता है और टॉयलेट में खून, मतली और बार-बार पेशाब आने के साथ जुड़ा हो सकता है।गुर्दे की पथरी अविश्वसनीय रूप से दर्दनाक हो सकती है लेकिन आम तौर पर जीवन के लिए खतरा नहीं होती है। हालाँकि, असुविधा से राहत और जटिलताओं को रोकने के लिए उनका इलाज किया जा सकता है।

आंतों के मुद्दे

रिपोर्ट के अनुसार, दाहिनी ओर पेट में दर्द विभिन्न आंतों की समस्याओं, जैसे चिड़चिड़ा आंत्र सिंड्रोम (आईबीएस), क्रोहन रोग, या डायवर्टीकुलिटिस के कारण हो सकता है।

शब्द सामर्थ्य -046

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. राजद प्रमुख 6. रखवाला, रक्षा करने वाला 7. दयालु, रहम करने वाला (उ.) 10. युग्म, जोड़ा, एक राशि, एक फिल्म अभिनेता 13. कैदखाना, जेल, हिरासत 15. जानकी, जनकनंदनी 17. व्यर्थ की बात, बकबक 18. नारी, स्त्री, महिला 21. विक्रय करना 22. वाणी, कथन, वादा 24. ताश में दस अंकों वाला पत्ता 25. नगर का, नागरिक, चतुर।

ऊपर से नीचे

1. बेफ्रिक, निश्चिंत, जिसे कोई परवाह न हो 2. मूर्ति 3. दोस्त, प्रेमी 4. कुशल, विशेषज्ञ 5. बगुला 8. झुका हुआ, झुकाया गया, नत 9. इधर-उधर, पास पड़ोस 11. किस्मत, तकदीर, भाग्य 14. बंदर, मर्कट, कपि 16. शक्तिशाली, बलवान 18. संतान, संतति 19. अस्तबल, घुड़साल 20. राजी करना, रूठे हुए को प्रसन्न करना 23. सरिता, नदिया, नद।

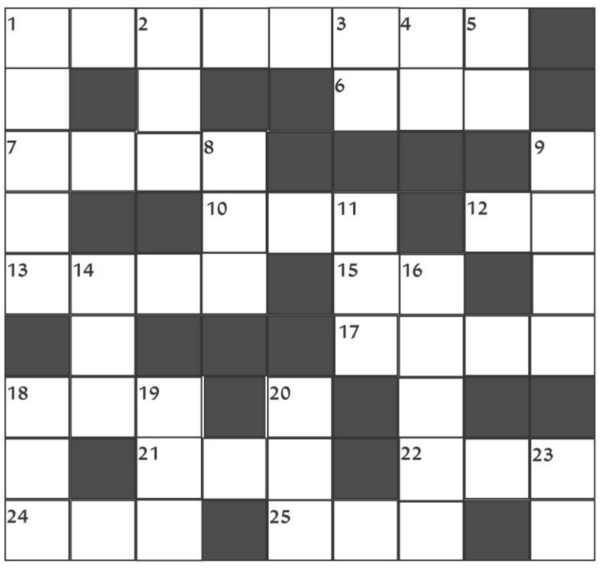

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 45 का हल

मा	म	ला		सि	वा	य		कि
लि		चा	ह	त		म	म	ता
क	सू	र		म	ग	न		ब
	र				द			
क	मा	न		पा	र	स		स
मी		म	जा	ल		न	क	ली
ना	दा	न		ना	र	द		का
	मि				तौं			
सु	नी	ल		अ	धी	र		जी

क्या शाम होते ही ऊर्जा का स्तर हो जाता है कम? ये हो सकते हैं कारण

आपका दिन किस तरह से बीतता है, यह आपके ऊर्जा के स्तर पर निर्भर करता है। अगर आप शाम होते ही सुस्त और थकान महसूस करने लगते हैं तो इसका मतलब है कि आपकी दिनचर्या में कुछ ऐसी आदतें शामिल हैं, जो आपके शरीर और मन को कमजोर कर रही हैं। आइए आज हम आपको कुछ ऐसी आदतों के बारे में बताते हैं, जो शाम होते ही आपके शरीर और मन को सुस्त कर सकती हैं।

दोपहर का खाना ठीक से न खाना

दोपहर का खाना न खाना या इसे छोड़ देना आपकी ऊर्जा को कम कर सकता है। अगर आप दोपहर का खाना नहीं खाते हैं तो शाम को आपको अधिक भूख लगेगी और आप जो भी खाएंगे, उससे आपका वजन भी बढ़ सकता है। वहीं दोपहर का खाना खाने से आपको पूरे दिन ऊर्जा मिलती है और आप अधिक सक्रिय रहते हैं। इसलिए, दिनभर में एक बार जरूर भरपेट खाना खाएं।

अधिक चाय या कॉफी पीना

कई लोग दिनभर में कई बार चाय या कॉफी पीते हैं। ये पेय आपको थोड़े समय के लिए ऊर्जा दे सकते हैं, लेकिन इनका अधिक सेवन आपके स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है। चाय या कॉफी का अधिक सेवन करने से नींद में खलल पड़ सकता है और रात को नींद आने में परेशानी हो सकती है। इसके अतिरिक्त इनका अधिक सेवन शरीर के डिहाइड्रेट होने का कारण भी बन सकता है।

देर से सोने की आदत

देर से सोने की आदत भी आपके ऊर्जा स्तर को प्रभावित कर सकती है। अगर आप रोजाना देर से सोते हैं तो आपका शरीर ठीक से आराम नहीं कर पाता और अगले दिन आपको थकान महसूस होती है। इसलिए, कोशिश करें कि आप हर दिन एक ही समय पर सोएं और 7 से 8 घंटे की नींद लें, ताकि आपका शरीर ठीक से आराम कर सके और आप अगले दिन तरोताजा महसूस करें।

अधिक चिंता करना

चिंता भी आपके ऊर्जा स्तर को कम करने का एक बड़ा कारण हो सकता है। अगर आप रोजाना किसी न किसी बात को लेकर चिंता में रहते हैं तो इसका असर आपके मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ सकता है और आप शाम होते ही सुस्त महसूस करने लग सकते हैं। इसलिए, चिंता को कम करने के लिए रोजाना कुछ मिनट ध्यान या योग करें और अपनी पसंदीदा गतिविधियों में शामिल हों।

शारीरिक गतिविधियों की कमी

शारीरिक गतिविधियों की कमी भी आपके ऊर्जा स्तर को प्रभावित कर सकती है। अगर आप रोजाना थोड़ी बहुत व्यायाम नहीं करते हैं तो आपका शरीर सुस्त हो सकता है और आपको शाम होते ही थकान महसूस होने लग सकती है। इसलिए, रोजाना कम से कम 30 मिनट तक व्यायाम करें, जैसे कि दौड़ना, साइकिल चलाना या तैराकी आदि। इससे आपका शरीर सक्रिय रहेगा और आप पूरे दिन ऊर्जावान रहेंगे।

बार-बार गिर जाती हैं आपकी नकली आईलैशेस?

नकली आईलैशेस का इस्तेमाल पलकों को घना और आकर्षक बनाने के लिए किया जाता है। हालांकि, कई बार महिलाएं इस समस्या का सामना करती हैं कि उनकी नकली आईलैशेस बार-बार गिर जाती हैं। इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं। इस लेख में हम कुछ प्रमुख कारणों पर चर्चा करेंगे, जिनसे आपकी नकली आईलैशेस बार-बार गिर सकती हैं। इन्हें जानकर आप आगे से सावधानी बरत सकेंगी और सुंदर दिख सकेंगी।

नकली आईलैशेस लगाने के लिए सही गोंद का चयन बहुत जरूरी है। अगर आप सस्ती और घटिया गुणवत्ता की गोंद का इस्तेमाल करेंगी तो आपकी फेक आईलैशेस जल्दी गिर सकती हैं। हमेशा अच्छी गुणवत्ता वाली गोंद का चयन करें, जो लंबे समय तक टिक सके। इसके अलावा गोंद को सही मात्रा में लगाना भी जरूरी है, ताकि आपकी नकली आईलैशेस अच्छी तरह से चिपकी रहें और जल्दी न गिरें। गोंद को हमेशा आईलैश पर ही लगाएं।

नकली आईलैशेस को सही तरीके से लगाने पर उनका टिकना आसान होता है। अगर आप उन्हें सही जगह पर नहीं लगाती हैं या बहुत ज्यादा गोंद लगाती हैं तो वे जल्दी गिर सकती हैं। इसलिए, हमेशा ध्यान रखें कि नकली आईलैशेस को सही जगह पर और सही मात्रा में गोंद लगाकर लगाएं, ताकि वे अच्छी तरह से चिपकी रहें। इसके अलावा आईलैशेस को लगाने से पहले अपनी आंखों को साफ और सूखा रखें, ताकि गोंद बेहतर तरीके से चिपके।

नकली आईलैशेस को हटाते समय भी सावधानी बरतनी चाहिए। अगर आप उन्हें जोर-जोर से खींचती हैं तो इससे आपकी असली आईलैशेस भी प्रभावित हो सकती हैं और आपकी नकली आईलैशेस भी टूट सकती हैं। इसलिए, हमेशा धीरे-धीरे और ध्यानपूर्वक फेक आईलैशेस को हटाएं। इसके अलावा आप आईलैशेस हटाने के लिए खासतौर पर बनाए गए प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल कर सकती हैं, जो उन्हें आसानी से हटाने में मदद करेंगे और आपकी असली आईलैशेस को नुकसान नहीं पहुंचाएंगे।

मौसम का भी आपकी नकली आईलैशेस पर असर पड़ सकता है। गरमी या बारिश होने पर पसीना या नमी के कारण गोंद कमजोर हो सकती है, जिससे आपकी नकली आईलैशेस गिर सकती हैं। इसलिए, मौसम के अनुसार अपने मेकअप रूटीन में बदलाव करें और जरूरत पड़ने पर गोंद को फिर से लगाएं। इसके अलावा बारिश के दिनों में पानी से बचाव करने वाली गोंद का इस्तेमाल करें, ताकि आपकी नकली आईलैशेस लंबे समय तक टिकी रहें और गिरें नहीं।

रेड ड्रेस में कियारा आडवाणी का दिखा कातिलाना अंदाजा, फिल्म की स्क्रीनिंग में लूट ली महफिल

बॉलीवुड एक्ट्रेस कियारा आडवाणी एक बार फिर अपने लुक को लेकर चर्चा में है। हाल ही में वो मुंबई में द डेविल वेयर्स प्रादा 2 की स्क्रीनिंग में नजर आई थीं, जिसमें उनके ग्लैमरस और एलिगेंट लुक ने हर किसी का ध्यान खींच लिया। इसी बीच कियारा ने कई तस्वीरें अपने इंस्टाग्राम पर शेयर की है, जिसमें वो बहुत ही खूबसूरत लग रही हैं। तो आइए उनके लुक पर एक नजर डालते है।

कियारा का रेड बॉडी-हगिंग गाउन बहुत एलिगेंट है, जिसका हाई नेक डिजाइन उन्हें ग्लैमरस बना रहा है। ये ड्रेस उनकी फिगर को खूबसूरती से हाइलाइट कर रही हैं। उनके बाल सॉफ्ट वेव्स में खुले हुए हैं, जो मिडल पार्टिंग के साथ स्टाइल किए गए हैं। हेयरस्टाइल बहुत स्मूद और शाइनी लग रहा है, जो उनके पूरे लुक को क्लासी टच देता है। कियारा ने न्यूड और ग्लोइंग मेकअप रखा है, जिसमें सॉफ्ट आईशैडो, डिफाइंड ब्रोज और न्यूड लिपस्टिक है। उन्होंने मिनिमल ज्वेलरी पहनी है, जिसमें बड़े गोल्डन स्टेटमेंट ईयररिंग्स और हाथ में कुछ ब्रेसलेट्स दिखाई दे रहे हैं। ये एक्सेसरीज़ उनके रेड ड्रेस के साथ परफेक्ट कॉन्ट्रास्ट बनाते हैं। कियारा ने मैचिंग रेड हाई हील्स पहनी हैं, जो उनके आउटफिट के साथ बिल्कुल मैच कर रही हैं। हील्स का डिजाइन शाइनी है, जो उनके पूरे लुक को और भी स्टाइलिश बना रहा है। बता दें कि कियारा जल्द ही साउथ सुपरस्टार यश की आने वाली फिल्म टॉक्सिक- ए फेयरीटेल ग्रोन अप्स में नजर आएंगी। ये फिल्म 4 जून को रिलीज होने वाली थी, हालांकि मेकर्स ने इसे पोस्टपोन कर दिया है। अभी इसकी दूसरी तारीख सामने नहीं आई है। इस फिल्म में उनके साथ यश, रुक्मिणी वसंत, हुमा कुरैशी, नयनतारा और तारा सुतारिया जैसी कलाकार दिखाई देंगी।

फिल्म पेड्डी को मिली नई रिलीज तारीख, अब राम चरण और वरुण का होगा टकराव

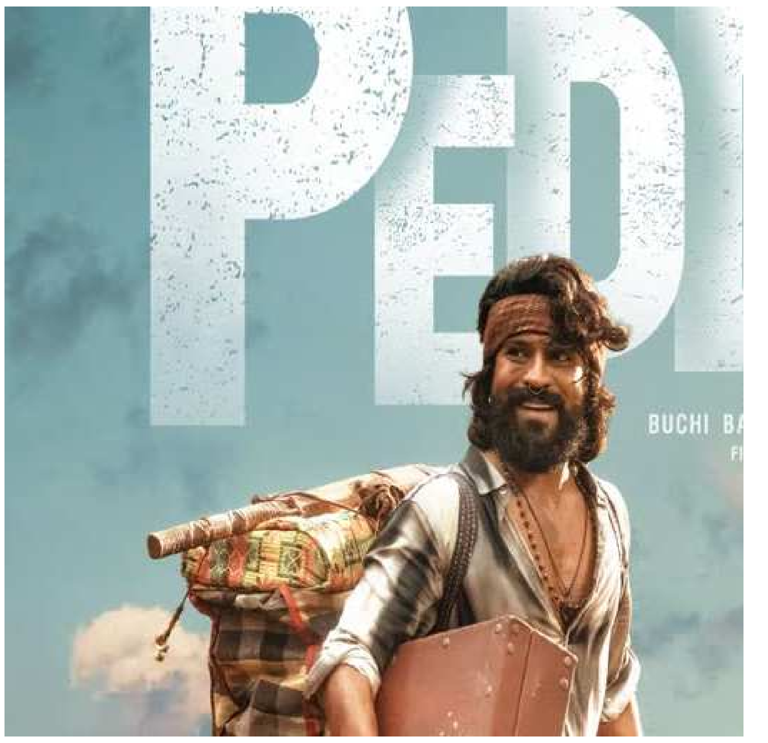

सुपरस्टार राम चरण और जाह्नवी कपूर की फिल्म पेड्डी एक बार फिर चर्चा में है। निर्माताओं ने आधिकारिक ऐलान करते हुए आखिरकार इसकी नई रिलीज तारीख से पर्दा उठा दिया है। पहले फिल्म अप्रैल में रिलीज करने की तैयारी थी, लेकिन निर्देशक बुची बाबू सना ने इसे आगे बढ़ाने का फैसला लिया। उन्होंने बची हुई शूटिंग का हवाला देते हुए रिलीज को स्थगित करने ऐलान किया था। हालांकि, अब पेड्डी को जून में रिलीज किया जाएगा।

संगीतकार एआर रहमान ने पेड्डी का नया पोस्टर जारी करते हुए लिखा, दृढ़ संकल्प ही उसकी कहानी है। दृढ़ निश्चय ही उसका हथियार है। सपेड्डी 4 जून, 2026 को विश्वव्यापी रिलीज। पहले 4 जून को यश अभिनीत फिल्म टॉक्सिक को रिलीज होना था, लेकिन अब उसे टाल दिया गया है।

दिलचस्प बात यह है कि पेड्डी की टक्कर वरुण धवन की फिल्म है जवानी तो इश्क होना है से होगी, जो 5 जून को रिलीज के लिए तैयार है।

इससे पहले फिल्म को 30 अप्रैल को रिलीज किया जाना था, हालांकि इसकी रिलीज डेट को बदल दिया गया। फिल्म रिलीज से पहले इसके दो गाने चिकिरी चिकीरी और रई रई रा रा को भी बहुत पसंद किया गया है. दोनों ने यूट्यूब पर मिलियन में व्यूज बटोरे है और रिकॉर्ड बनाए है.

पेड्डी को इस साल की सबसे बड़ी फिल्मों में से एक माना जा रहा है, जिसमें रामचरण के साथ जाह्नवी कपूर की ऑन स्क्रीन केमिस्ट्री देखने को मिलेगी. फिल्म को वृद्धि सिनेमा के बैनर तले बनाया जा रहा है, जिसे बुची बाबू सना ने लिखा और डायरेक्ट किया है. फिल्म में जगपति बाबू, शिवा राजकुमार और दिव्येंदु शर्मा जैसे कलाकार भी नजर आने वाले है और फिल्म को वेंकटा सतीश किलारू प्रोड्यूस कर रहे है. साथ ही इसका मुकाबला वरुण धवन की है जवानी तो इश्क होना है और बॉबी देओल की बंदर से होगी, जो 5 जून को रिलीज होगी. इतनी बड़ी टीम और दमदार स्टारकास्ट के बाद अब देखना दिलचस्प होगा कि ये फिल्म दर्शकों को कितनी पसंद आती है.

पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों पर विधायक मनोज तिवारी ने सरकार को घेरा

अल्मोड़ा(आरएनएस)। पेट्रोल और डीजल की कीमतों में लगातार हो रही बढ़ोतरी को लेकर अल्मोड़ा विधायक मनोज तिवारी ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि बढ़ती महंगाई से आम जनता, किसान, व्यापारी और मध्यम वर्ग बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं। विधायक मनोज तिवारी ने कहा कि पिछले कुछ दिनों में पेट्रोल और डीजल के दामों में कई बार वृद्धि हो चुकी है, जिससे ईंधन की कीमतें लगातार नए रिकॉर्ड बना रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में कमी आने के बावजूद सरकार उसका लाभ जनता तक नहीं पहुंचा रही है। उन्होंने कहा कि पर्वतीय क्षेत्रों में पहले से ही परिवहन महंगा है और ईंधन के दाम बढ़ने से आवश्यक वस्तुओं की ढुलाई पर अतिरिक्त बोझ पड़ रहा है। इसका असर सीधे तौर पर रोजमर्रा की जरूरत की चीजों की कीमतों पर दिखाई दे रहा है। मनोज तिवारी ने कहा कि डीजल महंगा होने से टैक्सी संचालकों, बस मालिकों, छोटे व्यापारियों और किसानों की परेशानियां बढ़ गई हैं। उन्होंने कहा कि पहाड़ में अधिकांश लोग निजी वाहनों और सार्वजनिक परिवहन पर निर्भर हैं, ऐसे में ईंधन मूल्य वृद्धि का सबसे अधिक असर ग्रामीण और पर्वतीय क्षेत्रों पर पड़ता है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार महंगाई नियंत्रण में पूरी तरह विफल साबित हुई है। रसोई गैस, खाद्य सामग्री, बिजली, दवाइयों और शिक्षा का खर्च पहले ही बढ़ चुका है और अब पेट्रोल-डीजल की कीमतों में वृद्धि ने लोगों की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। विधायक ने केंद्र सरकार से पेट्रोल और डीजल पर लगाए गए अतिरिक्त टैक्स में कटौती करने की मांग की। उन्होंने राज्य सरकार से भी वैट कम कर जनता को राहत देने की अपील की। उन्होंने कहा कि यदि ईंधन कीमतों में बढ़ोतरी वापस नहीं ली गई तो कांग्रेस कार्यकर्ता जनहित में आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

सिविल अस्पताल में पर्चा बनवाने को लेकर हंगामा

रुड़की(आरएनएस)। सिविल अस्पताल में पर्चा बनवाने को लेकर दो लोगों के बीच नोकझोंक हो गई। मौके पर मौजूद पीआरडी जवान ने हस्तक्षेप कर दोनों पक्षों को शांत कराया। हंगामे के कारण कुछ देर तक पर्चा बनाने का कार्य भी प्रभावित रहा। सोमवार सुबह से ही अस्पताल में मरीजों की भीड़ लगी रही। पर्चा बनवाने के लिए लोग काउंटर पर लंबी लाइन में खड़े थे। दोपहर करीब 12 बजे एक व्यक्ति बिना लाइन में लगे काउंटर पर पहुंच गया और खुद को स्टाफ से जुड़ा बताते हुए पर्चा बनवाने लगा। शुरुआत में लोगों ने विरोध नहीं किया, लेकिन जब वह लगातार अन्य पर्चे बनवाने लगा तो लाइन में लगे एक युवक ने इसका विरोध कर दिया। इस बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। आरोप है कि इस दौरान गाली-गलौज और अभद्रता भी हुई। करीब दस मिनट तक काउंटर के पास हंगामे की स्थिति बनी रही, जिससे अन्य मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ा। मौके पर मौजूद पीआरडी जवान ने दोनों पक्षों को समझाकर शांत कराया। वहीं, मरीजों ने अस्पताल प्रबंधन से लाइन व्यवस्था सख्ती से लागू कराने की मांग की। सीएमएस डॉ. एके मिश्रा ने कहा कि अस्पताल में आने वाले सभी मरीज समान हैं। उन्होंने पीआरडी जवानों को लाइन व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए हैं।

सू- दोकू क्र.046

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.45 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

दीक्षांत समारोह की तैयारियों को लेकर विश्वविद्यालय में बैठक आयोजित

अल्मोड़ा(आरएनएस)। सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय के 18 जून 2026 को प्रस्तावित प्रथम दीक्षांत समारोह की तैयारियों को लेकर गणित सभागार में बैठक आयोजित की गई।

बैठक की अध्यक्षता कुलपति प्रो. सतपाल सिंह बिष्ट ने की। बैठक में दीक्षांत समारोह के आयोजन के लिए गठित विभिन्न समितियों के अध्यक्षों और अधिकारियों ने हिस्सा लिया।

कार्यक्रम का संचालन कुलसचिव डॉ. देवेंद्र सिंह बिष्ट ने किया। कुलपति प्रो. सतपाल सिंह बिष्ट ने कहा कि दीक्षांत समारोह को एक गरिमामय अकादमिक आयोजन के रूप में आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि समारोह स्थानीय संस्कृति के अनुरूप संपन्न कराया जाएगा और सभी समितियां अपनी तैयारियों को समयबद्ध तरीके से पूरा करें।

बैठक में विभिन्न मदों में होने वाले अनुमानित व्यय, कार्ययोजना और समितियों की तैयारियों की समीक्षा की गई। इस दौरान ऑडिटोरियम व्यवस्था, सड़क सुधारीकरण, कुलगीत, मेडल सेरेमनी, मंच सज्जा, मंत्रोच्चार, अतिथि आवास व्यवस्था, स्वागत, डिग्री वितरण, दीक्षांत सेल्फी प्वाइंट, यातायात व्यवस्था, आमंत्रण सूची और मेरिट सूची तैयार करने जैसे विषयों पर चर्चा की गई।

बैठक में वित्त अधिकारी अमित कुमार त्रिपाठी, शोध एवं प्रसार निदेशालय के निदेशक प्रो. जगत सिंह बिष्ट, परीक्षा नियंत्रक प्रो. पंकज कुमार साह, दीक्षांत समारोह संयोजक प्रो. डी.के. भट्ट, परिसर निदेशक प्रो. प्रवीण सिंह बिष्ट, प्रो. सुशील कुमार जोशी, प्रो. ए.के. नवीन, प्रो. हरीश जोशी, प्रो. शेखर चंद्र जोशी, डॉ. एच.आर. कौशल, प्रो. रिजवाना सिद्धिकी, प्रो. ए.के. पंत, प्रो. संजीव आर्या, डॉ. सबीहा नाज, प्रो. अरशद हुसैन, प्रो. रूबीना अमान, प्रो. ज्योति जोशी, प्रो. डी.पी. यादव, डॉ. बलवंत कुमार, डॉ. दीपक, डॉ. पारुल सक्सेना, प्रो. निर्मला पंत, डॉ. आर.सी. मौर्य, डॉ. ललित जोशी, डॉ. सुमित खुल्बे, डॉ. मीनाक्षी आर्या, डॉ. प्रियंका पांडे, लियाकत अली, डॉ. चंद्र प्रकाश फुलोरिया और कमल जोशी समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

सेना के प्रशिक्षित जवानों से युवाओं को मिल रहा प्रशिक्षण

कोटद्वार (आरएनएस)। सेंट्रल कमांड चिल्ड्रन समर एडवेंचर कैंप में सेना के प्रशिक्षित जवान युवाओं को उनकी अभिरुचि के अनुसार प्रशिक्षित कर रहे हैं। मध्य कमान समूह लखनऊ रीजन के अलावा देश की अन्य कमांड के सीमित छात्र शिविर में प्रतिभाग कर रहे हैं।

शिविर में पहुंचे छात्र लैंसडौन के दर्शनीय स्थलों, सैन्य पृष्ठभूमि से संबंधित ऐतिहासिक धरोहरों का भ्रमण कर रहे हैं। गढ़वाल राइफल्स के कमान लाइन ट्रेनिंग बटालियन में आयोजित शिविर में मध्य कमान समूह लखनऊ क्षेत्र सहित अन्य कमांड के 78 छात्र व 63 छात्राएं प्रतिभाग कर रहे हैं। शिविर में विभिन्न प्रकार के खेल, मनोरंजन, एडवेंचर गतिविधियों को शामिल किया गया है।

स्थानीय छात्रों ने बताया कि अन्य राज्यों से शिविर में पहुंचे छात्रों के अनुभवों को साझा करने से काफी कुछ नया सीखा। शिविर में सेंट्रल कमांड एवं अन्य कमांड के सैनिकों व पूर्व सैनिकों के बच्चों ने आवेदन किया था। गढ़वाल राइफल्स के कमांडेंट ब्रिगेडियर विनोद सिंह नेगी का कहना है कि इस प्रकार के आयोजन युवाओं के बौद्धिक, शारीरिक विकास में अहम भूमिका निभाते हैं।

चिलचिलाती धूप में ट्रैफिक जाम से लोग रहे बेहाल

रुड़की(आरएनएस)। भीषण गर्मी के बीच रुड़की की सड़कों पर आम जनता को भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। शहर के मुख्य चौराहों और संपर्क मार्गों पर सुबह से ही यातायात व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त नजर आई। चिलचिलाती धूप और आसमान से बरसती आग के चलते शहर के प्रमुख बाजारों और हाईवे पर जाम के कारण वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। जाम में फंसकर दोपहिया और चौपहिया सवार घंटों पसीने से तर-बतर होते रहे। जाम का सबसे बुरा असर मालवीय चौक, आजादनगर चौक, बीएसएम तिराहा, रामनगर चौक, गणेशपुर पुल, मिलिट्री चौक पर देखने को मिला। हाईवे से लेकर शहर की अंदरूनी सड़कों पर गाड़ियां रेंग-रेंग कर चलने को मजबूर थीं। तापमान 41 डिग्री के पार पहुंचने के कारण सड़कों पर खड़ी गाड़ियां तपती रही। दुपहिया वाहन चालक धूप से बचने के लिए पेड़ों की छांव तलाशते दिखे। वहीं कारों में बैठे लोग भी एसी फेल होने की शिकायत करते नजर आए। जाम में एक एंबुलेंस भी फंसी रही जिसे निकालने के लिए स्थानीय युवकों को खुद कमान संभाली। इस दौरान एक-दूसरे से आगे निकलने की होड़ में वाहन चालक आपस में भिड़ते रहे। सुबह दस बजे से लेकर दोपहर एक बजे तक हाईवे पर वाहन जाम में रेंग-रेंगकर चलते नजर आए। स्थानीय निवासी महिपाल सिंह, सुदेश कुमार, अंकित सिंह, रवि कुमार आदि ने बताया कि पुलिस समय-समय पर चेकिंग तो करती है, लेकिन हाईवे पर बेतरतीब खड़े होने वाले वाहनों पर कार्रवाई नहीं करती है। कार और बाइक चालक आधे हाईवे पर वाहन पार्क करते हैं। जिससे आए दिन जाम लगता है। पुलिस को इन वाहनों पर भी कार्रवाई करनी चाहिए।

पर्यटकों के लिए रात में भी खोले जाए पंप

पिथौरागढ़(आरएनएस)। सोशल वैलफेयर सोसायटी ने प्रशासन से आदि कैलास ओम पर्वत, मुनस्यारी आदि पर्यटक स्थलों में भीड़ को देखते हुए रात में भी पंप खुले रखने की मांग की है। सोसायटी के अध्यक्ष कैलाश चंद्र पुनेठा के नेतृत्व में सदस्यों ने इस संबंध में डीएम को ज्ञापन दिया। सदस्यों ने कहा कि देश भर से इन दिनों बड़ी संख्या में पर्यटक सीमांत जनपद आ रहे हैं। अधिकतर लोग अपने-अपने वाहनों से यात्रा कर रहे हैं। कई दफा रात में पर्यटक जिला मुख्यालय पहुंचते हैं, उन्हें पेट्रोल-डीजल की आवश्यकता होती है लेकिन पंप बंद रहते हैं।

जनसुनवाई में उमड़ी फरियादियों की भीड़, 60 शिकायतों में 28 का मौके पर निस्तारण

हरिद्वार(आरएनएस)। जिला कार्यालय सभागार में आयोजित जनसुनवाई में भूमि विवाद, अतिक्रमण, पेयजल संकट, जलभराव, विद्युत समस्या और राजस्व मामलों से जुड़ी शिकायतें प्रमुख रूप से सामने आईं। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिकायतों का प्राथमिकता और संवेदनशीलता के साथ समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न विभागों से जुड़ी 60 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से 28 मामलों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। शेष शिकायतों को संबंधित विभागों को कार्रवाई के लिए भेजा गया। भगतनपुर आबिदपुर निवासी सविता चौहान ने अपने प्लॉट पर अवैध कब्जे की शिकायत दर्ज कराते हुए कब्जा हटवाने की मांग की।

वहीं, ग्राम कांगड़ी के निवासियों ने गली नंबर छह में लंबे समय से बनी पेयजल समस्या के समाधान की मांग उठाई। सहदेवपुर निवासी राजपाल ने भूमि पैमाइश कराने की मांग की, जबकि नरेंद्र अरोड़ा ने बरसाती नदी से होने वाले जलभराव और बाढ़ की समस्या के स्थायी समाधान की मांग रखी। इसके अलावा शुभम विहार क्षेत्र में अधूरे पड़े नाले के निर्माण कार्य को जल्द पूरा कराने की मांग भी उठाई गई। शिवदासपुर और मीरपुर मुवाजपुर क्षेत्रों से भी जल निकासी और अवैध निर्माण संबंधी शिकायतें दर्ज कराई गईं। एक फरियादी ने प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत गैस कनेक्शन दिलाने की मांग भी रखी।बैठक में सीएम हेल्पलाइन पर दर्ज लंबित शिकायतों की भी समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने 36 दिन से अधिक समय से लंबित शिकायतों पर नाराजगी जताते हुए अधिकारियों को शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए। समीक्षा में पाया गया कि एल-1 स्तर पर 566 और एल-2 स्तर पर 128 शिकायतें लंबित हैं। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को शिकायतकर्ताओं से सीधे फोन पर वार्ता कर समस्याओं का समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी डॉ. ललित नारायण मिश्र, अपर जिलाधिकारी वैभव गुप्ता समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

पं.नेहरू की पुण्यतिथि पर कांग्रेस कमेटी ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि

संवाददाता

देहरादून। भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू को उनकी पुण्यतिथि पर महानगर कांग्रेस कमेटी से भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

आज यहां महानगर कांग्रेस कमेटी द्वारा भारत के प्रथम प्रधानमंत्री, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं आधुनिक भारत के शिल्पकार स्वर्गीय जवाहर लाल नेहरु की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कांग्रेसजनों ने नेहरू जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी तथा उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। इस अवसर पर महानगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉ. जसविंदर सिंह गोगी ने कहा कि पंडित जवाहर लाल नेहरू ने देश को लोकतंत्र, वैज्ञानिक सोच, शिक्षा और विकास की मजबूत नींव प्रदान की। उन्होंने कहा कि नेहरू का योगदान भारत के निर्माण में सदैव अविस्मरणीय रहेगा और आने वाली पीढ़ियां उनके आदर्शों से प्रेरणा लेती रहेंगी। प्रदेश उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना ने वक्तव्य में कहा कि आज देश को नेहरू की विचारधारा, सामाजिक समरसता और लोकतांत्रिक मूल्यों की सबसे अधिक आवश्यकता है। कांग्रेस पार्टी हमेशा उनके सिद्धांतों पर चलते हुए देश की एकता, अखंडता और संविधान की रक्षा के लिए संघर्ष करती रहेगी। कार्यक्रम में उपस्थित कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों ने नेहरू के जीवन और उनके योगदान को याद करते हुए उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर मुख्य रूप से प्रदेश अध्यक्ष अनुसूचित विभाग मदन लाल, जगदीश धीमन,ललित बद्री, राजेश पुंड़ीर, जितेंद्र तनेजा, सूरत नेगी, सुनील जैसवाल, रामकुमार थपलियाल, दिनेश कौशल, अभिषेक तिवारी, जसविंदर मूटी, वीरेश शर्मा, अल्ताफ अहमद, जमाल, आदर्श सूद, सूरज छेत्री आदि मौजूद थे।

गणेश जोशी ने की कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से शिष्टाचार भेंट

संवाददाता

नई दिल्ली। कृषक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने दिल्ली प्रवास के दौरान केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से शिष्टाचार भेंट की।

आज यहां प्रदेश के कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने दिल्ली प्रवास के दौरान केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से शिष्टाचार भेंट की। भेंट के दौरान कृषि मंत्री गणेश जोशी ने केंद्रीय कृषि मंत्री द्वारा राज्य के लिए घेरबाड़ हेतु घोषित 90 करोड़ रुपये की धनराशि के क्रम में प्रथम किश्त के रूप में 25 करोड़ रुपये शीघ्र राज्य को उपलब्ध कराने का आग्रह भी किया। इस दौरान कृषि मंत्री गणेश जोशी ने राज्य में आगामी खरीफ सत्र के दृष्टिगत जून माह में आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय कृषक गोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने हेतु केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान को आमंत्रित किया। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कार्यक्रम में शामिल होने के लिए अपनी सहमति प्रदान की। कृषि मंत्री गणेश जोशी ने बताया कि जून माह में आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय कृषक गोष्ठी में प्रदेशभर के कृषकों के साथ कृषि वैज्ञानिकों, स्टार्ट-अप्स, उद्यमियों एवं विभागीय स्टॉलों की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों, नवाचारों एवं नई योजनाओं से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कृषि मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि राज्य सरकार किसानों की आय बढ़ाने एवं कृषि क्षेत्र को तकनीकी रूप से सशक्त बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह आयोजन "प्रयोगशाला से खेत तक" की अवधारणा को मजबूत करने के साथ-साथ किसानों की आय दोगुनी करने के संकल्प को भी नई दिशा प्रदान करेगा।

राज्य स्तरीय एसडीजी एचीवर्स अवार्डः मुख्यमंत्री ने उत्तराखंड को श्रेष्ठ राज्य बनाने का दोहराया संकल्प

संवाददाता

अल्मोड़ा। आज यहां राज्य स्तरीय एसडीजी एचीवर्स अवार्ड समारोह अल्मोड़ा के उदय शंकर नृत्य एवं संगीत अकादमी में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बतौर मुख्य अतिथि प्रतिभाग किया। इस वर्ष के लिए 32 संगठनों, व्यक्तियों, समूहों को उनके द्वारा किए गए नवाचारी एवं सतत पहलों के लिए सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त जिला स्तरीय एसडीजी की वार्षिक रैंकिंग में 6 जनपदों को शीर्ष तीन स्थान प्राप्त करने पर पुरस्कृत किया गया। मुख्यमंत्री ने पुरस्कृत विजेताओं को बधाई दी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने एसडीजी अचीवर्स अवार्ड समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि आज का यह अवसर उन सभी व्यक्तित्वों और संस्थाओं को सम्मानित करने का है जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में नवाचार, उत्कृष्ट कार्य एवं समाजहित में अनुकरणीय योगदान दिया है। उन्होंने सभी महानुभावों एवं संस्थाओं का स्वागत और अभिनंदन करते हुए कहा कि ऐसे कर्मयोगियों के बीच उपस्थित होना उनके लिए गौरव का विषय है, जिन्होंने अपने समर्पण, परिश्रम और संकल्प के बल पर समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए निरंतर कार्य किया है। मुख्यमंत्री ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) की प्राप्ति की दिशा में उल्लेखनीय योगदान देने वाले 32 ऊर्जावान औद्योगिक संस्थानों के प्रतिनिधियों को सम्मानित किया गया है। उन्होंने कहा कि इन संस्थानों ने यह सिद्ध किया है कि मजबूत इरादों और सीमित संसाधनों के बावजूद असाधारण उपलब्धियां हासिल की जा सकती हैं तथा साधारण से असाधारण की यात्रा तय की जा सकती है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड जैसे पर्वतीय राज्य को प्रत्येक वर्ष अनेक चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, लेकिन जब पर्यावरण और विकास साथ-साथ चलते हैं तभी संतुलित एवं स्थायी विकास संभव होता है। यदि दोनों अलग-अलग हो जाएं तो विकास अधूरा रह जाता है। इकोलॉजी और इकोनॉमी की इसी सोच के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2030 तक सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक समय नीति आयोग के एसडीजी इंडिया इंडेक्स में उत्तराखंड 10वें स्थान पर था, जबकि ताजा रिपोर्ट के अनुसार आज राज्य पूरे देश में प्रथम स्थान पर पहुंच चुका है। उन्होंने कहा कि अभी भी कई ऐसे पैरामीटर हैं जिनमें और बेहतर कार्य करने की आवश्यकता है तथा सरकार उन क्षेत्रों में भी तेजी से काम कर रही है। उन्होंने कहा कि सुशासन, गरीब कल्याण, सीमांत क्षेत्रों के विकास, बिजली, पानी और सड़क जैसी मूलभूत सुविधाओं के क्षेत्र में राज्य सरकार लगातार प्रभावी कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि सामूहिक प्रयासों का परिणाम है कि राज्य की जीडीपी में 7.23 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है तथा प्रति व्यक्ति आय में 4.1 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। साथ ही बेरोजगारी दर में रिकॉर्ड 4.4 प्रतिशत की कमी लाकर उत्तराखंड ने राष्ट्रीय औसत से बेहतर प्रदर्शन किया है। उल्लेखनीय है कि स्तरीय एसडीजी की वार्षिक रैंकिंग में प्रथम स्थान रुद्रप्रयाग को मिला। द्वितीय स्थान उत्तरकाशी तथा नैनीताल ने प्राप्त किया। तृतीय स्थान पर बागेश्वर, चमोली तथा टिहरी शामिल हैं।

निर्माणाधीन मकान से बिजली के तार चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने निर्माणाधीन मकान से बिजली के तार चोरी कर लिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार लक्ष्मण चौक निवासी प्रदीप दुग्गल ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसका नेशनल रोड पर मकान का निर्माण हो रहा है। आज जब वह वहां पर पहुंचा तो उसने देखा कि निर्माणाधीन मकान से बिजली के तारों के बंडल गायब थे।

सात किलो गांजे सहित नशा तस्कर दबोचा

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। धर्मनगरी में नशा तस्करी कर रहे एक व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसके पास से सात किलो गांजा बरामद हुआ है। जानकारी के अनुसार बीती शाम नशा तस्करी की एक सूचना के बाद कोतवाली श्यामपुर पुलिस ने बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए नहर पटरी चंडीघाट के पास से एक वाहन पिक अप से प्लास्टिक के कट्टे में रखा 7 किलोग्राम से ज्यादा गांजा (भांग पत्ती) बरामद किया गया। पुलिस द्वारा संदिग्ध प्रतीत होने पर उक्त वाहन को रोककर चालक से सीट के बगल में रखे कट्टे के बारे में पूछताछ की तो चालक के सकपकाने पर पुलिस का शक गहरा गया। चैक करने पर राजफाश होने पर चालक ने माफी मांगते हुए बताया कि कुछ अतिरिक्त पैसे कमाने के लिए भांग पत्ती बेचने का काम कर रहा था। चालक को उसके जुर्म धारा एनडीपीएस एक्ट से अवगत कराते हुये गिरफ्तार किया गया व मुकदमा दर्ज उसे जेल भेज दिया गया है।

गौरीकुंड में नदी से अज्ञात शव बरामद

हमारे संवाददाता

रुद्रप्रयाग। गौरीकुंड में नदी से आज सुबह एक अज्ञात शव बरामद होने से क्षेत्र में अफरा तफरी का मौहोल हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस व एसडीआरएफ ने रेस्क्यू अभियान चलाकर शव को बाहर निकाला और अग्रिम कार्यवाही शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार आज सुबह थाना गौरीकुंड के माध्यम से सूचना प्राप्त हुई कि गौरीकुंड क्षेत्र स्थित घोड़ा पड़ाव के नीचे नदी में एक शव दिखाई दे रहा है। सूचना प्राप्त होते ही एसडीआरएफ टीम आवश्यक रेस्क्यू उपकरणों के साथ तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना हुई।

उप निरीक्षक आशीष डिमरी के नेतृत्व में एसडीआरएफ, डीडीआरएफ एवं एनडीआरएफ की संयुक्त टीमों द्वारा कठिन एवं चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बीच त्वरित रेस्क्यू अभियान संचालित किया गया। टीम द्वारा अथक प्रयास करते हुए नदी से अज्ञात शव को सुरक्षित बाहर निकाला गया। उक्त शव को आवश्यक कार्यवाही हेतु स्थानीय पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया है। शव की शिनाख्त एवं अग्रिम वैधानिक कार्यवाही थाना गौरीकुंड पुलिस द्वारा की जा रही है।

मुख्य सचिव ने दिये बच्चों के डिजिटल मैपिंग, ट्रैकिंग मैकेनिज्म तैयार करने के निर्देश

संवाददाता

देहरादून। मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने विद्यालयों में बच्चों का एक डिजिटल मैपिंग एवं ट्रैकिंग मैकेनिज्म तैयार किए जाने के निर्देश दिए।

आज यहां मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन की अध्यक्षता में सचिवालय में प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण (पीएम पोषण) के सम्बन्ध में राज्य स्तरीय क्रियान्वयन एवं अनुश्रवण समिति की बैठक सम्पन्न हुयी। मुख्य सचिव ने पीएम पोषण की विस्तार से जानकारी ली। मुख्य सचिव ने पीएम पोषण योजना के तहत अधिक से अधिक स्कूलों का सोशल ऑडिट कराए जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने सोशल ऑडिट पायी गयी कमियों के विषय में सम्बन्धित जनपदों को सूचित करते हुए अनुपालन रिपोर्ट प्रस्तुत किए जाने के निर्देश दिए। जाता है। मुख्य सचिव ने विद्यालयों में बच्चों का एक डिजिटल मैपिंग एवं ट्रैकिंग मैकेनिज्म तैयार किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने बच्चों का हेल्थ स्क्रीनिंग पर विशेष जोर देते हुए स्वास्थ्य विभाग द्वारा एनीमिया आदि से पीड़ित बच्चों का उपचार सहित लगातार फॉलोअप करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विद्यालयों का स्थान विशेष विश्लेषण भी किए जाने के निर्देश दिए ताकि यह भी ज्ञात हो सके कि किस जनपद या ब्लॉक के बच्चों में किस प्रकार की स्वास्थ्य समस्याएं हैं, ताकि उन क्षेत्रों में ऐसी समस्याओं के निराकरण के लिए विशेष प्रयास किए जा सकें। सचिव रविनाथ रमन ने पीएम पोषण योजना की वित्तीय वर्ष 2026 27 हेतु भारत सरकार को प्रस्तावित की जाने वाली वार्षिक कार्य योजना एवं बजट को समिति के सम्मुख प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि विभाग द्वारा नई पहल के रूप में बागेश्वर और हरिद्वार जनपदों में कुल 78 भोजन माताओं को मशरूम खेती का प्रशिक्षण भी दिया गया है। मध्याह्न भोजन में पोषक तत्वों को बढ़ाया जा सके। साथ ही, उत्तराखंड सहकारी डेयरी फेडरेशन लिमिटेड के सहयोग से बच्चों को सप्ताह में दो बार फोर्टिफाइड फ्लेवर्ड स्किम्ड दूध उपलब्ध कराया जा रहा है। कहा कि यह राज्य सरकार की एक पहल है, जिसका उद्देश्य बच्चों के पोषण स्तर में सुधार करना है। इस अवसर पर सचिव रविनाथ रमन, चंद्रेश कुमार यादव, अपर सचिव श्रीमती नमामि बंसल, रोहित मीणा एवं निदेशक विद्यालयी शिक्षा मुकुल कुमार सती सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने सुनी जनसमस्याएं, अधिकारियों को दिये जनसमस्याओं के निदान के निर्देश

संवाददाता

खटीमा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जनप्रतिनिधियों से मुलाकात कर जनसमस्याएं सुन अधिकारियों को समस्याओं के निदान के निर्देश दिये।

आज यहां प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने लोहियाहेड हेलीपैड पर जनता व जनप्रतिनिधियों से मुलाकात कर जनसमस्याएं सुनी तथा समस्याओं का समाधान करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा जन समस्याओं का समाधान सरकार की प्राथमिकता है, इसलिए जनता की समस्याओं का शीघ्रता से समाधान किया जाए। उन्होंने किसानों को खाद उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए।

इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष रमेश चंद्र जोशी, प्रदेश उपाध्यक्ष भाजयुमो सतीश भट्ट, महामंत्री रमेश जोशी, गोविंद टम्टा, डॉ. नवीन भट्ट, अमित कुमार पांडे, भवानी भंडारी, जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय गणपति, मुख्य विकास अधिकारी दिवेश शासनी, अपर जिलाधिकारी पंकज उपाध्याय, एएसपी डॉ उत्तम सिंह नेगी सहित अनेक अधिकारी व जनप्रतिनिधि,जनता उपस्थित थे।

चर्चित यौन शोषण मामले में नहीं मिली राहत, याचिकाए खारिज

हमारे संवाददाता

नैनीताल। उत्तराखंड हाईकोर्ट ने भवाली के चर्चित नरेश पांडे यौन शोषण मामले में दायर समझौता और सुरक्षा संबंधी याचिकाओं को खारिज कर दिया है। न्यायमूर्ति राकेश थपलियाल की एकलपीठ ने मामले की सुनवाई करते हुए जांच अधिकारी को पीड़िता द्वारा दर्ज कराई गई एफआईआर की जांच कर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।बता दें कि भवाली के उद्योग व्यापार मंडल अध्यक्ष नरेश पांडे के खिलाफ एक युवती ने नैनीताल के मल्लीताल कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया था। शिकायत में युवती ने आरोप लगाया कि नरेश पांडे ने शादी का झांसा देकर उसके साथ दुष्कर्म किया। मामले में बाद में नया मोड़ तब आया जब युवती ने मुकदमा वापस लेने की बात कही और तल्लीताल थाने में तीन अन्य युवकों के खिलाफ अलग मुकदमा दर्ज कराया। युवती का आरोप था कि तीन युवकों ने उसका वीडियो वायरल करने की धमकी दी और व्यापारी नेता नरेश पांडे के खिलाफ झूठा मुकदमा दर्ज कराने के लिए दबाव बनाया। मामले में नरेश पांडे को सुरक्षा उपलब्ध कराने और समझौते से जुड़ी याचिकाएं हाईकोर्ट में दाखिल की गई थीं। सुनवाई के बाद हाईकोर्ट ने दोनों याचिकाओं को खारिज करते हुए जांच अधिकारी को पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए हैं।

बुजुर्ग महिला से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। 75 वर्षीय बुजुर्ग महिला से दुष्कर्म व मारपीट के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

जानकारी के अनुसार बीती 24 मई को एक व्यक्ति द्वारा कोतवाली जसपुर में तहरीर देकर बताया गया कि 23 मई की शाम उनकी भाभी रोज की तरह जानवर चराने के लिए गयी थी, जहाँ एक सफेद दाढ़ी वाले व्यक्ति द्वारा उनके साथ मारपीट कर गलत काम करने की कोशिश की गयी है। मामले की गम्भीरता को देखते हुए पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी। जांच के दौरान पीड़िता द्वारा स्वयं के साथ दुष्कर्म होने की बात बतायी गयी जिसके आधार पर मुकदमें में दुष्कर्म की धाराओं की बढ़ोत्तरी की गयी। जांच के दौरान पीड़िता ने पूछताछ में बताया गया कि उसके साथ कक्का सिंह उर्फ भजन सिंह पुत्र कपूर सिंह निवासी गोरा फॉर्म हल्दुवाशाहू द्वारा मारपीट कर जबरदस्ती बलात्कार किया है।

विवेचना के दौरान प्रकाश में आए साक्ष्य के आधार पर आरोपी कक्का सिंह उर्फ भजन सिंह पुत्र कपूर सिंह निवासी गोरा फॉर्म हल्दुवाशाहू थाना कुण्डा को गिरफ्तार किया गया है। जिसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

गुजरात में पकड़ी गई 1150 करोड़ रुपये की कोकीन!

हमारे प्रतिनिधि

अहमदाबाद । समुद्री रास्ते से देश में ड्रग्स की बड़ी खेप पहुंचाने की एक बहुत बड़ी साजिश को भारतीय तटरक्षक बल और गुजरात एटीएस ने नाकाम कर दिया है। अरब सागर में मुंद्रा तट के पास एक संयुक्त ऑपरेशन के दौरान करीब 1150 करोड़ रुपये की कोकीन जब्त की गई है।

कोस्ट गार्ड के कमांडेंट अमित उनियाल ने बताया कि गुजरात एटीएस को इस संबंध में एक बेहद सटीक और गुप्त सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही इंडियन कोस्ट गार्ड के साथ तालमेल बिठाकर 5 अलग-अलग टीमों का गठन किया गया। कोस्ट गार्ड की इंटरसेप्टर बोट्स में एटीएस के अधिकारियों को भी तैनात किया गया और मुंद्रा एंकरिज इलाके में एक बड़ा तलाशी अभियान शुरू किया गया। यह सर्च ऑपरेशन 25 और 26 मई की आधी रात को चलाया गया। घोर अंधेरा होने के बावजूद टीमें लगातार मुस्तैद रहीं। इसी दौरान सुरक्षाकर्मियों की नजर कंटेनर जहाज श्एमवी यूरोपश पर पड़ी। जो मुंद्रा तट से करीब पांच नॉटिकल मील दूर लंगर डाले खड़ा था।

अधिकारियों ने देखा कि जहाज से कुछ संदिग्ध बैग समुद्र में फेंके जा रहे हैं। बिना वक्त गंवाए आईसीजी और एटीएस की संयुक्त टीम तुरंत हरकत में आई और उन बैगों को अपने कब्जे में ले लिया। जब बैगों की जांच की गई। तो उनमें सफेद पाउडर के पैकेट मिले। जिनकी जांच करने पर कोकीन होने की पुष्टि हुई। इस ऑपरेशन में कुल 115 पैकेट जब्त किए गए हैं। हर पैकेट का वजन लगभग एक किलोग्राम है। यानी कुल 115 किलोग्राम कोकीन पकड़ी गई है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इस ड्रग्स की अनुमानित कीमत करीब 1150 करोड़ रुपये आंकी गई है। कार्रवाई के तुरंत बाद विदेशी कंटेनर जहाज श्एमवी यूरोपश को बंदरगाह पर लाया गया है। जहाज में मौजूद लोगों को पकड़ लिया गया है और उनके दस्तावेजों व क्रू मेंबर्स से गहन पूछताछ की जा रही है। आशंका जताई जा रही है कि इस पूरी साजिश के पीछे कोई बड़ा अंतरराष्ट्रीय ड्रग सिंडिकेट सक्रिय है।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, एडवोकेट
बैजनाथ, एडवोकेट

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।